सफलता की कहानी

राज्य औद्यानिक मिशन जनपद हाथरस।

वर्ष 2012-13

कार्यक्रम- मधुमक्खी पालन

नाम लाभार्थी कृषक- श्री रमेश सिंह यादव

पिता का नाम- श्री हीरालाल

निवासी गांव- न0 बाद अठवरिया

विकास खण्ड- मुरसान

जनपद- हाथरस।

सफलता की कहानी- पॉलिनेशन सपोर्ट प्रोग्राम के अन्तर्गत मैंने अपने खेतों पर 5 बॉक्स मौन पालन के रखे थे, जिससे मुझे घर के उपयोग हेतु शुद्ध शहद बिना किसी मिलावट के मिलने लगा मैंने मधुमक्खी पालन को वृहद पैमाने पर करने हेतु मन बनाया तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, अलीगढ़ के कृषि वैज्ञानिकों से मधुमक्खी पालन का प्रशिक्षण लिया। इसके बाद जनपद के जिला उद्यान अधिकारी एवं कार्यालय के कर्मचारियों से मधुमक्खी पालन हेतु राज्य से मिलने वाली राज्य सहायता के बारे में जानकारी की तो जनपद के जिला उद्यान अधिकारी महोदय द्वारा राज्य औद्यानिक मिशन योजना के अन्तर्गत कृषकों को 50 मौन बॉक्स एवं 50 हनी बी कॉलौनी एवं शहद निकालने के उपकरण के क्रय पर 50 प्रतिशत अनुदान रुपया 82000/- राज्य सहायता उपलब्ध कराने की जानकारी दी गयी। मधुमक्खी पालन का इच्छुक होने के कारण मैंने अपना आवेदन मिशन प्रभारी श्री रामशरण भारती को दिया। और उनके बताये अनुसार रजिस्टर्ड फर्म बॉक्स, बी कॉलौनी व शहद निकालने के उपकरण क्रय कर लिया तथा फर्म का बिल भुगतान हेतु राज्य औद्यानिक मिशन प्रभारी के माध्यम से जिला उद्यान अधिकारी को दिया। जिला उद्यान अधिकारी महोदय ने कार्यालय स्टॉफ के साथ बक्सों का सत्यापन कर मुझे राज्य औद्यानिक योजनान्तर्गत 82000/- रुपये का एकाउंट पेयी चैक द्वारा अनुदान दिया गया। अब मेरे पास कुल 55 बॉक्स हो गये हैं। मैं मधुमक्खी पालन में विशेष रुचि रखकर खेती-बाड़ी के अलावा लगभग 40 क्विंटल शहद प्रति बॉक्स प्रतिवर्ष के हिसाब 2200 क्विंटल शहद का उत्पादन करके 1,54000/- रुपये का शहद विक्रय कर लेता हूँ, जिसमें मुझे एक लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्रतिवर्ष अतिरिक्त आमदनी के रूप में होने लगा है। मैं राज्य औद्यानिक मिशन योजना को इस तरह के कार्यक्रमों के समावेश करने के लिए धन्यवाद देता हूँ।